

**चर्म दृष्टि स्त्री.** (तत्.) साधारण दृष्टि, आँख, ज्ञान दृष्टि का उलटा।

**चर्ममय पुं.** (तत्.) चमड़े का बना हुआ।

**चर्म वाद्य पुं.** (तत्.) ढोल, नगाड़ा।

**चर्म वृक्ष पुं.** (तत्.) भोजपत्र का पेड़।

**चर्म सार पुं.** (तत्.) देह से आहार में उत्पन्न होने वाला रस।

**चर्मात पुं.** (तत्.) सुश्रुत के अनुसार एक प्रकार का उपयंत्र जिसका प्राचीन काल में चीर-फाड़ के लिए होता था।

**चर्माभस् पुं.** (तत्.) दे. चर्मसार।

**चर्माख्य पुं.** (तत्.) कोढ़ रोग का भेद।

**चर्मानुरंजन पुं.** (तत्.) बदन रंगाने के लिए प्रयुक्त सिंदूर की तरह का द्रव्य।

**चर्मार पुं.** (तत्.) चर्मकार, चमार।

**चर्मिक पुं.** (तत्.) हाथ में ढाल लेकर लड़ने वाला योद्धा वि. ढालवाला, जिसके हाथ में ढाल हो।

**चर्मी पुं.** (तत्.) 1. चर्म धारण करने वाला सैनिक 2. भोजपत्र का वृक्ष 3. केला।

**चर्य वि.** (तत्.) 1. जो करने योग्य हो 2. कर्तव्य।

**चर्या स्त्री.** (तत्.) 1. आचरण, पालन, जीविका, नियमपूर्वक अनुसरण, गति, भ्रमण 2. आचार, चाल-चलन 3. सेवा 4. विहित कार्य का अनुष्ठान और निषिद्ध का त्याग।

**चरं पुं.** (अनु.) कोई चीज फाड़ने से उत्पन्न ध्वनि वि. इसका क्रि.वि. रूप से व्यवहार होता है अतः लिंग निर्वचन अनावश्यक है मुहा. चर-चर फाड़ना-चर चर की आवाज करते हुए फाड़ना।

**चर्नाना क्रि.** (अनु.) 1. लकड़ी आदि का टूटने के समय चर्-चर् शब्द करना 2. घाव पर जमी पपड़ी के उखड़ जाने पर होने वाली पीड़ा 3. खुश्की के कारण किसी अंग में तनाव और हल्की पीड़ा होना उदा. बहुत दिनों से तेल मालिश नहीं की, अतः बदन चर्नाता है 4. किसी बात की

वेगपूर्ण इच्छा उदा. आजकल उसे घूमने का शौक चर्नाया है।

**चरीं स्त्री.** (तत्.) लगने वाली बात, चुटीली बात।

**चर्वण पुं.** (तत्.) 1. किसी चीज को मुँह में रखकर तोड़ने की क्रिया, चबाना 2. वह वस्तु जो चबाई जाए 3. चबैना 4. आस्वादन 5. रसास्वादन।

**चर्वणा स्त्री.** (तत्.) 1. चर्वण करना 2. चबाने वाला दाँत 3. रसास्वादन।

**चर्वा स्त्री.** (तत्.) 1. थप्पड़, चाँटा, झापड़, चपत 2. चबाने का कार्य।

**चर्वित वि.** (तत्.) 1. चबाया हुआ, दाँतों से कुचला हुआ 2. आस्वादित 3. रसास्वादित।

**चर्वित पात्र पुं.** (तत्.) उगलदान, पीकदान।

**चर्विल पुं.** (अं.) गाजर की तरह अंग्रेजी तरकारी, जो कार्तिक में बोई जाती है।

**चर्व्य वि.** (तत्.) 1. चबाने योग्य 2. जो चबाकर खाया जाए पुं. आहार, भोजन, खाद्य।

**चर्षणि स्त्री.** (तत्.) कुल्टा स्त्री, बंधकी वि. 1. निरीक्षक, पर्यवेक्षक 2. गायनशील, गतिशील, फुर्तीला, सक्रिय।

**चलंता वि.** (तत्.) 1. चलता हुआ 2. चलने वाला।

**चल वि.** (तत्.) 1. चंचल, अस्थिर, चलायमान 2. हिलने-डुलने वाला 3. एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने योग्य 4. गतिशील 5. घबराया हुआ 6. क्षणिक, अस्थायी पुं. 1. पारा 2. दोहा छंद का एक भेद जिसमें 11 गुरु और 26 लघु मात्राएँ होती हैं 3. शिव, महादेव 4. विष्णु 5. कंपन, काँपना 6. दोष 7. भूल, चूक 8. धोखा, छल, कपट 9. नृत्य की एक चेष्टा विशेष 10. वायु 11. काक 12. कौआ स्त्री. 1. चाल, गड़बड़ 2. भागना।

**चलकना अ.क्रि.** (अनु.) 1. चमकना 2. दे. चिलकना।

**चल चंचु पुं.** (तत्.) चकोर।